ऋषभ पंत को उपकप्तानी से हटा दिया गया

Page-04

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

3 जुलाई को रिलीज होगी 'प्रीतम एंड पेड्रो'

Page-05

भारत-इटली संबंधों को नई मजबूती

रक्षा और व्यापार सहयोग बढ़ाने पर सहमति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की कूटनीतिक यात्रा का अंतिम चरण इटली की राजधानी रोम में भारत और इटली के संबंधों के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मटारेला के साथ व्यापक वार्ता कर दोनों देशों के संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के नए स्तर तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय मुलाकात के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रोम को दुनिया में "अनंत शहर" के रूप में जाना जाता है और उनकी लोकसभा सीट काशी की पहचान भी इसी प्रकार की है। उन्होंने कहा कि जब दो प्राचीन सभ्यताएं मिलती हैं, तो बातचीत केवल किसी तय एजेंडे तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसमें इतिहास की गहराई, भविष्य की झलक और मित्रता की सहजता दिखाई देती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और इटली के बीच चर्चा केवल औपचारिक संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साझा मूल्यों और दीर्घकालिक सहयोग की दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को दोनों देशों के संबंधों के लिए ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय इटली यात्रा है और इस यात्रा ने लंबे अंतराल को समाप्त करते हुए संबंधों को नई गति दी है। मेलोनी ने कहा कि भारत और इटली के संबंध अब निर्णायक चरण में पहुंच चुके हैं और दोनों देश स्वतंत्रता, लोकतंत्र तथा साझा भविष्य की सोच के आधार पर विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि दोनों देशों ने रक्षा, समुद्री सुरक्षा, रणनीतिक प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि भारत और इटली आतंकवाद, साइबर अपराध, मानव तस्करी, अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करेंगे। इसके साथ ही महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा और वैश्विक रणनीतिक स्थिरता को भी सहयोग का प्रमुख आधार बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ भी प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने दीर्घकालिक साझेदारी को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया। हम आपको यह भी बता दें कि भारत और इटली ने विनिर्माण तथा निवेश के क्षेत्र में भी नई संभावनाओं को रेखांकित किया। दोनों नेताओं ने कहा कि "मेड इन इटली" और "मेक इन इंडिया" पहल के बीच स्वाभाविक तालमेल मौजूद है। इटली की डिजाइन क्षमता, उन्नत विनिर्माण और तकनीकी विशेषज्ञता को भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा, उद्यमिता और तेज आर्थिक विकास के साथ जोड़कर नई औद्योगिक साझेदारी विकसित की जाएगी। दोनों देशों ने वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाने का लक्ष्य रखा है। रक्षा और अंतरिक्ष, मशीनरी, वाहन कलपुर्जे, औषधि, रसायन, वस्त्र, कृषि आधारित खाद्य उद्योग और पर्यटन को सहयोग के प्रमुख क्षेत्र माना गया है। दोनों पक्षों ने बताया कि एक हजार से अधिक भारतीय और इतालवी कंपनियां दोनों देशों में सक्रिय हैं, जिससे औद्योगिक एकीकरण लगातार मजबूत हो रहा है। यूरोपीय संघ और भारत के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को भी व्यापार और निवेश बढ़ाने में महत्वपूर्ण बताया गया। इटली में भारत की राजदूत वाणी राव ने कहा कि यह यात्रा भारत और इटली के बढ़ते और गहरे होते संबंधों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दोनों देश रक्षा निर्माण, बंदरगाह, प्रतिभा आदान-प्रदान, ऊर्जा सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक साझेदारी विकसित करेंगे। भारत चाहता है कि इतालवी कंपनियां देश को केवल बाजार नहीं, बल्कि रणनीतिक और तकनीकी साझेदार के रूप में देखें।

- **भारत-इटली ने रक्षा, समुद्री सुरक्षा और तकनीक समेत कई क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर सहमति जताई।**
- **दोनों देशों ने 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार 20 अरब यूरो से आगे ले जाने का लक्ष्य तय किया।**

पीएम जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी टॉफी उपहार

रोम यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को पार्लें मेलोडी का एक पैकेट उपहार में देने के बाद, भारतीय उपभोक्ता तुरंत ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर जाकर वही टॉफी खरीदने के लिए टूट पड़े और देखते ही देखते दुकानों से सारी टॉफियाँ गायब हो गईं। देश के कई हिस्सों में ब्लिंकइट, ज़ेप्टो और इंस्टामार्ट पर मेलोडी टॉफियाँ फिलहाल स्टॉक में नहीं हैं। इस कूटनीतिक क्षण ने वह कर दिखाया जो दशकों के विज्ञापन भी पैदा नहीं कर पाए थे: एक रुपये से भी कम कीमत वाली टॉफी के लिए लोगों में होड़ मच गई। इंस्टाग्राम और एक्स पर, ब्लिंकइट ने कहा कि ऐप पर मेलोडी की खोज में अचानक वृद्धि देखी जा रही है क्योंकि सोशल मीडिया उपयोगकर्ता इंटरनेट पर मेलोडी से जुड़े मीम्स से भर रहे हैं, जो मोदी और मेलोनी से जुड़ा उपनाम है और अब वायरल हो चुका है। ब्लिंकइट ऐप पर 100 रुपये के मेलोडी कैंडी के पैकेट स्टॉक से बाहर हो गए थे, और ऑनलाइन चर्चा के बीच 50 रुपये के पैकेट ही उपलब्ध थे, जिससे यह राजनयिक क्षण पॉप-कल्चर और ई-कॉमर्स ट्रेंड में बदल गया। दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को दर्शाने के लिए सोशल मीडिया पर हैशटैग "मेलोडी" का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

अयोग्य घोषित करने की जनहित याचिका हुई खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी (AAP) का रजिस्ट्रेशन रद्द करने और अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया व दुर्गेश पाठक को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करने की जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने इसे पूरी तरह आधारहीन बताया। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले का हवाला देते हुए साफ किया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत चुनाव आयोग के पास किसी पार्टी का पंजीकरण रद्द करने का सामान्य अधिकार नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि किसी नेता ने अदालत की अवमानना की है, तो कार्रवाई उस व्यक्ति पर होगी, पूरी पार्टी पर नहीं। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस फैसले को सुनाते सुप्रीम कोर्ट के इंडियन नेशनल कांग्रेस के फैसले का हवाला दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि किसी भी राजनीतिक दल का रजिस्ट्रेशन रद्द करना बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (RP Act) के तहत चुनाव आयोग (ECI) को एक बार रजिस्ट्रेशन देने के बाद, उसे इस तरह के आधार पर रद्द करने या जनरल रिव्यू करने का कोई अधिकार नहीं है। याचिकाकर्ता ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 29A(5) के उल्लंघन का आरोप लगाया था। लेकिन अदालत ने कह दिया कि यह मामला कानून के तहत तय किए गए उन सीमित दायरों में कहीं भी फिट नहीं बैठता, जहां किसी पार्टी की मान्यता छीनी जा सके। इसी के साथ हाईकोर्ट ने इस पूरी पीआईएल को बिना किसी मेरिट के खारिज कर दिया।

खरगे ने सिद्धारमैया और शिवकुमार से मुलाकात की

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ उनकी बातचीत पार्टी और शासन को मजबूत करने पर केंद्रित थी। उन्होंने कर्नाटक में पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष की अफवाहों को खारिज कर दिया। शिवकुमार ने यह भी कहा कि अगर वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी उन्हें आमंत्रित करते हैं तो वे दिल्ली भी जाएंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, खबरें आ रही हैं कि राज्य नेतृत्व के मुद्दे पर नए सिरे से अटकलों के बीच खरगे ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, खरगे सिद्धारमैया, शिवकुमार और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ तिरुवनंतपुरम से बेंगलुरु गए। बाद में सोमवार को उन्होंने राज्य के ऊर्जा मंत्री के. जे. जॉर्ज के आवास पर चर्चा की। पिछले कुछ महीनों में सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष की खबरें बार-बार सामने आई हैं। कांग्रेस सरकार के पिछले साल नवंबर में ढाई साल पूरे होने के बाद सत्ता-साझाकरण का मुद्दा और भी गंभीर हो गया। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, केरल से लौटने के तुरंत बाद जॉर्ज के आवास पर अनौपचारिक बैठक हुई। केरल में नई कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद दोनों नेता लौटे थे। शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा कि कल आप सभी नेतृत्व संबंधी मुद्दों पर खबरें लिख रहे थे। हम पार्टी को मजबूत करने और उसे सत्ता में वापस लाने के तरीकों पर चर्चा कर रहे थे।

बिहार टू बैंकॉक अब डायरेक्ट फ्लाइट, धार्मिक टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

बिहार में इंटरनेशनल टूरिज्म को बढ़ावा देने और ग्लोबल एयर कनेक्टिविटी को बेहतर करने के मकसद से सम्राट चौधरी सरकार ने गया जी से थाईलैंड के लिए डायरेक्ट फ्लाइट सर्विस शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बुधवार 20 मई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में इंडिगो एयरलाइंस के गया-बैंकॉक रूट पर नॉन-स्टॉप एयर सर्विस देने के प्रस्ताव को एडमिनिस्ट्रेटिव और फाइनेंशियल मंजूरी सहित कुल 13 प्रस्ताव पारित किए गए। नए इंटरनेशनल रूट्स पर एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की बिहार सरकार की पॉलिसी के मुताबिक इंटरनेशनल डेस्टिनेशन्स के लिए डायरेक्ट फ्लाइट सर्विस शुरू करने के लिए टेंडर मंगाए गए थे। सिविल एविएशन डिपार्टमेंट के इस टेंडर के जवाब में सिर्फ मेसर्स इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) ने बीड जमा की थी। इसलिए, बिहार फाइनेंस (अमेंडमेंट) रूल्स 2024 के नियमों के मुताबिक इंडिगो एयरलाइंस को इस इंटरनेशनल रूट के लिए नॉमिनेशन बेसिस पर चुना गया। इस रूट पर फ्लाइट्स का ऑपरेशन पक्का करने और एयरलाइन को फाइनेंशियल स्टेबिलिटी देने के लिए कैबिनेट ने 12 महीने के लिए 'वायबिलिटी गैप फंडिंग' (VGF) के तौर पर 10.40 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है। बिहार का गया और बोधगया बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र और अहम ग्लोबल सेंटर्स में से एक है। यहां हर साल थाईलैंड, म्यांमार, भूटान और श्रीलंका जैसे देशों से लाखों बौद्ध तीर्थयात्री, साधु और विदेशी टूरिस्ट महाबोधि मंदिर में पूजा करने और गया में खास धार्मिक रस्मों में हिस्सा लेने के लिए आते हैं। अब तक बैंकॉक से आने वाले टूरिस्ट को कोलकाता या दिल्ली होकर जाना पड़ता था। जिसमें उनका समय और पैसा दोनों ही बहुत बर्बाद होता था। लेकिन अब गया और बैंकॉक के बीच डायरेक्ट फ्लाइट शुरू होने से, थाईलैंड और दूसरे साउथ-ईस्ट एशियाई देशों से आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए सफर काफी आसान, सस्ता और कम समय लेने वाला हो जाएगा। इससे बिहार के टूरिज्म रेवेन्यू में काफी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

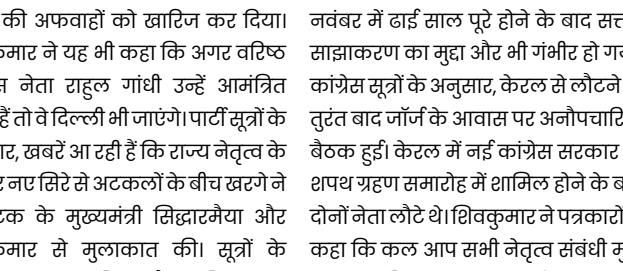

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

नॉर्वे के अखबार में पीएम मोदी का 'सपेरा' कार्टून बना विवाद की वजह, सोशल मीडिया पर भड़के लोग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे यात्रा के दौरान वहां के प्रमुख अखबार Aftenposten में प्रकाशित एक कार्टून को लेकर विवाद खड़ा हो गया। कार्टून में पीएम मोदी को सपेरे के रूप में दिखाया गया, जबकि सांप की जगह पेट्रोल पंप की पाइप दिखाई गई। कई लोगों ने इसे भारत की पुरानी और रूढ़िवादी पश्चिमी छवि से जोड़ते हुए नस्लभेदी और भारत विरोधी बताया। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने कहा कि यह चित्रण भारत की तकनीकी और आर्थिक प्रगति को नजरअंदाज करता है।

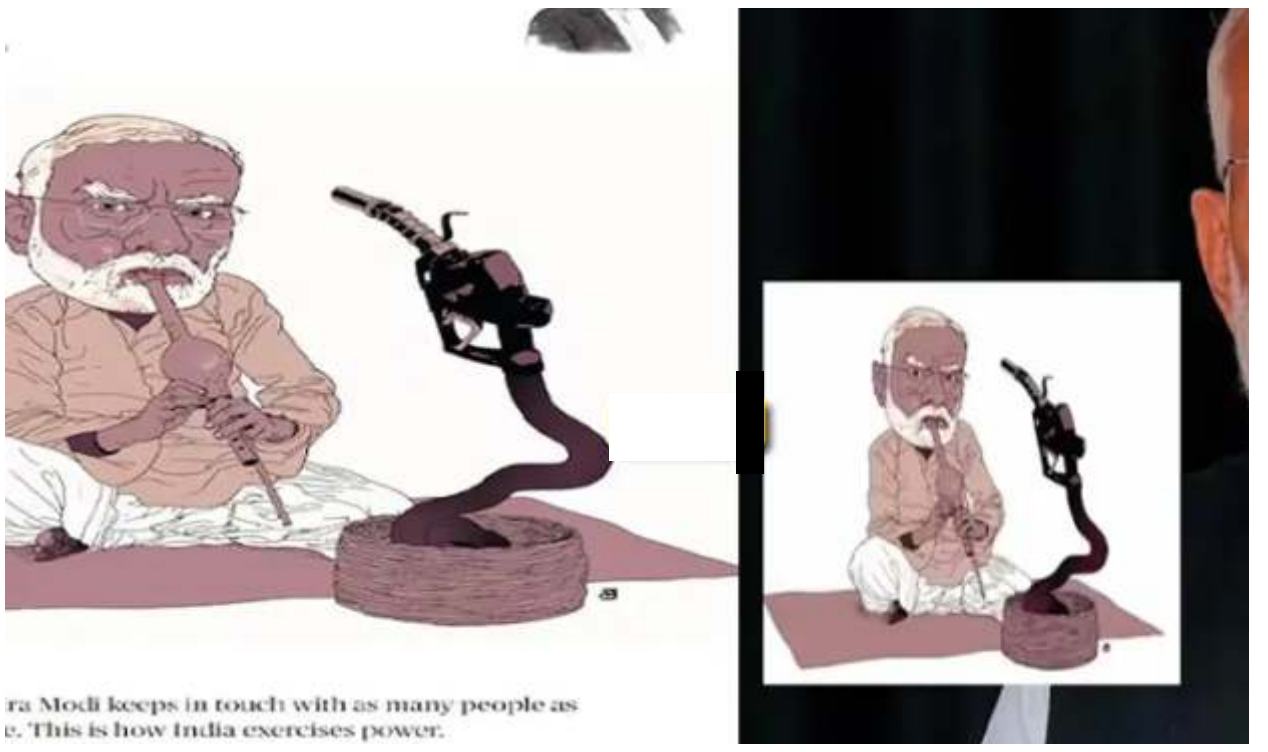

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे यात्रा के दौरान वहां के प्रमुख अखबार आफ्टेनपोस्टेन (Aftenposten) में प्रकाशित एक कार्टून को लेकर नया विवाद खडा हो गया है। इस कार्टून में पीएम मोदी को सपेरे के रूप में दिखाया गया, जबकि सांप की जगह पेट्रोल पंप की पाइप दिखाई गई। भारत को लंबे समय तक पश्चिमी देशों में सपेरों, हाथियों और अंधविश्वासों वाले देश के रूप में पेश किया जाता रहा है। इसी वजह से सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इस चित्रण को नस्लभेदी और भारत विरोधी बताया। यह मामला उस समय और अधिक चर्चित हो गया, जब प्रेस स्वतंत्रता को लेकर पहले ही नॉर्वे में एक विवाद खड़ा हो गया था। यह कार्टून प्रधानमंत्री मोदी के ओस्लो पहुंचने से कुछ घंटे पहले प्रकाशित किया गया था। इस कार्टून के साथ अखबार ने कैप्शन में लिखा था, एक चालाक लेकिन परेशान करने वाला व्यक्ति। लेख में बताया गया था कि भारत की नजर नॉर्डिक देशों पर क्यों है। हालांकि सबसे ज्यादा चर्चा कार्टून की हुई। सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि स्नेक चार्मर वाली छवि दशकों पुरानी पश्चिमी सोच को दिखाती है। इससे पहले 2022 में स्पेन के अखबार ला वेंगार्डिया (La Vanguardia) ने भी भारत की आर्थिक प्रगति को सपेरे की तस्वीर से दिखाया था, जिस पर भारी आलोचना हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी पहले भी इस तरह की छवियों का विरोध कर चुके हैं। वर्ष 2014 में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था कि भारत अब माउस से जादू करता है। उनका इशारा कंप्यूटर माउस और तकनीकी विकास की ओर था। इससे पहले 2013 में गांधीनगर में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात यूथ कन्वेंशन में उन्होंने कहा था कि भारत सपेरों के देश से माउस चार्मर्स वाले देश में बदल चुका है। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने कहा कि नॉर्वे का कार्टून भारत की नई तकनीकी और आर्थिक पहचान को नजरअंदाज करता है। इस कार्टून विवाद से पहले भी पीएम की नॉर्वे यात्रा के दौरान एक विवाद हो चुका है। यह विवाद एक प्रेस कार्यक्रम में भी शुरू हुआ था जब नॉर्वेरियन पत्रकार हेले लिंग ने पीएम मोदी से सवाल किया था और उनके जवाब नहीं देने पर उनकी आलोचना की थी। लिंग ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने उनका सवाल नहीं लिया। इस वीडियो में लिंग पीएम से पूछती हुई सुनाई दी कि दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस से आप सवाल क्यों नहीं लेते। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA) सचिव (पश्चिम) सिबी जार्ज ने अलग प्रेस ब्रीफिंग आयोजित कर पत्रकार के सवालों का जवाब दिया था।

यूरोप दौरे के दौरान नॉर्वे की पत्रकार हेली लेंग चर्चा में आ गई

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूरोप दौरे के दौरान नॉर्वे की पत्रकार हेली लेंग चर्चा में आ गई हैं। ओस्लो में पीएम मोदी से प्रेस फ्रीडम और मानवाधिकार पर सवाल पूछने के बाद हेली ने दावा किया कि उनकी फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट्स सस्पेंड कर दिए गए हैं। ओस्लो में भारत और नॉर्वे के प्रधानमंत्रियों की संयुक्त मीडिया ब्रीफिंग के दौरान, जैसे ही प्रेस मीट खत्म हुई, हेली लेंग ने पीछे से चिल्लाते हुए पूछा, आप दुनिया के सबसे आजाद प्रेस के सवालों का जवाब क्यों नहीं देते? हेली ने भारत को प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में 157वें स्थान पर बताते हुए सवाल सही ठहराया। इसके जवाब में भारत के विदेश मंत्रालय के सचिव सिबी जॉर्ज ने कहा कि भारत की पूरी जानकारी न रखने वाले इस तरह के सवाल न उठाएं। हेली ने बताया कि इस घटना के बाद उन्हें भारी ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। लोगों ने उनके पुराने लेख और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर लिखी रिपोर्ट्स ढूंढ निकाली। कई यूजर्स ने उन्हें फॉरेन प्लांट, जासूस और चाइनीज प्रॉक्सी तक कह डाला। हेली ने अपने एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट्स सस्पेंड होने की जानकारी खुद शेयर की। उन्होंने लिखा, प्रेस की आजादी के लिए यह एक छोटी सी कीमत है। मैंने अधिक से अधिक भारतीयों को जवाब देना चाहा, लेकिन अब मेरे सोशल मीडिया अकाउंट बंद हो गए हैं। मुझे उम्मीद है कि मेटा जल्द इन्हें वापस कर देगा। इस विवाद के बाद हेली की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ी। घटना से पहले उनके X फॉलोअर्स 800 से कम थे। लेकिन अब कुछ ही दिनों में यह संख्या 45,000 के पार पहुंच गई।

प्रधानमंत्री गृहमंत्री अमित शाह पर जोरदार हमला बोला

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर जोरदार हमला बोला है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी और अमित शाह गद्दार है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव से पहले कहा जाता था कि पेट्रोल या गैस की कोई कमी नहीं है। पेट्रोल के दाम नहीं बढ़ेंगे। आज जब पेट्रोल के दाम बढ़ रहे हैं, तो अंबानी भारत से पेट्रोल विदेश में एक्सपोर्ट कर रहे हैं। अंबानी रूस से पेट्रोल खरीदकर बाहर बेचते हैं, और उस पैसे से वे PM नरेंद्र मोदी को फंड देते हैं। यही सच है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी कहते हैं विदेश मत जाओ, सोना मत खरीदो, इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदो। आने वाले समय में किसानों के पास खाद नहीं होगी। देखिए कुछ महीनों में महंगाई कहां जाती है, पेट्रोल, डीजल, तेल, गैस, दाल और चावल के दाम कहां जाते हैं। प्रधानमंत्री खुलेआम कहते हैं सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, और खुद हजारों करोड़ रुपये के प्लेन में विदेश जाते हैं। लोकसभा में विपक्ष

के नेता राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की आर्थिक व्यवस्था को बेच दिया है। उन्होंने भारत की आर्थिक व्यवस्था अंबानी, अडानी और अमेरिका के हाथों सौंप दी है। अब एक आर्थिक तूफान आने वाला है और PM नरेंद्र मोदी तथा भारत सरकार आपको नहीं बचा पाएगी। वे रोते हुए कहेंगे कि इसमें मेरी कोई गलती नहीं है। मैं आपको बता रहा हूं, गलती सिर्फ पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह और RSS की है, क्योंकि उन्होंने ही इसे (संविधान को) बर्बाद किया है।

ये घोष डरने वाली नहीं है

दावों को "फर्जी खबर" बताया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तृणमूल कांग्रेस की सांसद और युवा शाखा की प्रमुख सायनी घोष ने बुधवार को अभिषेक बनर्जी से कथित तौर पर जुड़ी कोलकाता की एक संपत्ति से संबंधित आरोपों के खिलाफ अपना बचाव करते हुए इन दावों को "फर्जी खबर" बताया और आरोप फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। घोष ने कहा कि संपत्ति के मालिकाना हक के दावों को लेकर अब "फर्जी खबरों" के जरिए उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। एक्स पर एक पोस्ट में, घोष ने उन आरोपों का खंडन किया कि वह अभिषेक बनर्जी के साथ 19 डी सेवन टैंक्स रोड, कोलकाता 700030" स्थित संपत्ति की संयुक्त मालिक हैं। आरोपों को निराधार बताते हुए उन्होंने कहा कि उनकी वित्तीय जानकारी उनके चुनावी हलफनामे के माध्यम से पहले ही सार्वजनिक हो चुकी है। घोष ने लिखा कि लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिया और मैं आभारी हूं। मैं चाहती हूं कि मेरे मतदाता यह जान लें कि मेरी संपत्ति मेरे चुनावी हलफनामे में घोषित है। रिकॉर्ड देखें।

जो लोग बिना किसी सबूत के मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं - अभी रुक जाएं! कृपया जान लें, इसे ऐसे ही नहीं जाने दूंगी। फर्जी खबर फैलाने के लिए कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह 'घोष' डरने वाली नहीं है। अभिनेत्री से राजनेता बनीं घोष ने बिना सबूत के उन्हें बदनाम करने की कोशिश करने वालों को चेतावनी भी दी। उन्होंने लिखा, "जो लोग बिना किसी सबूत के मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, वे अभी रुक जाएं!... फर्जी खबर फैलाने के लिए कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच जल्द ही मुलाकात

फ्रांस में होने की संभावना

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच जल्द ही मुलाकात हो सकती है। ये मुलाकात भारत या अमेरिका में नहीं बल्कि फ्रांस में होने की संभावना है। दरअसल, फ्रांस में आगामी जून महीने में G-7 शिखर सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। रिपोर्ट सामने आई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सम्मेलन में शामिल होने जा रहे हैं। वहीं, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फरवरी महीने में भारत की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को G-7 सम्मेलन में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया था। ऐसे में पीएम मोदी भी फ्रांस की यात्रा करेंगे। आपको बता दें कि इससे पहले पीएम मोदी और ट्रंप के बीच 13 फरवरी 2025 को व्हाइट हाउस में मुलाकात हुई थी। आपको बता दें कि इस साल G-7 देशों की बैठक का आयोजन फ्रांसीसी आल्प्स के एवियन-लेस-बेंस में आयोजित होने जा रहा है। ये बैठक 15 से लेकर 17 जून तक चलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बैठक के दौरान AI, व्यापार और अपराध के खिलाफ लड़ाई पर चर्चा करेंगे। फ्रांस में G-7 की बैठक ट्रंप के 80वें जन्मदिन के एक दिन बाद होने वाली है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने जानकारी दी है जी-7 बैठक में कोई वास्तविक

हस्ताक्षरित समझौते नहीं होंगे, बल्कि इसका उद्देश्य आम सहमति बनाना है जिस पर भविष्य के समझौते आधारित हो सकें। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान एजेंडा में शामिल होने की संभावना है, लेकिन ट्रंप के व्यापार पर अधिक चर्चा करने की उम्मीद की जा रही है। इससे पहले बीते मार्च महीने में ही पीएम मोदी के भी आगामी जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने की खबर कंफर्म हो गई थी। भारत में स्थित फ्रांस के दूतावास ने इस बात की जानकारी दी थी। दरअसल, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 17 से 19 फरवरी 2026 तक भारत के आधिकारिक दौरे पर आए थे। उन्होंने इस दौरान पीएम मोदी को जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण दिया था। vआपको बता दें कि G-7 दुनिया की 7 सबसे विकसित और प्रमुख औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं का एक मंच है। इस समूह में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और कनाडा शामिल हैं। इसके अलावा यूरोपियन यूनियन भी इस बैठक में शामिल होता है।

संपादक की कलम से

लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित व्यवस्था नहीं है। इसकी असली ताकत जनता के उस भरोसे में छिपी होती है कि उसका मत स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रभावी है। जब चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, तब मामला केवल किसी दल की जीत या हार का नहीं रहता, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता भी बहस के केंद्र में आ जाती है। हाल के दिनों में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे आरोपों ने इसी चिंता को फिर सामने ला दिया है। यह कहा जा रहा है कि कई बार केवल कुछ सीटों का परिणाम ही नहीं, बल्कि पूरी सत्ता का स्वरूप भी चुनावी प्रक्रियाओं से प्रभावित हो सकता है। मतदाता सूचियों में गड़बड़ी, मतदान के दौरान कथित अनियमितताएं और संस्थागत निष्पक्षता पर उठते सवाल लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत हैं। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि उसका मत पूरी ईमानदारी से दर्ज नहीं हो रहा, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव कमजोर पड़ने लगती है। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक प्रयोग माना जाता है। करोड़ों मतदाता हर चुनाव में उत्साह से भाग लेते हैं और इसी भागीदारी से लोकतंत्र को शक्ति मिलती है। लेकिन यही शक्ति तब कमज़ोर होने लगती है जब चुनावी प्रक्रिया को लेकर संदेह पैदा होता है। संदेह चाहे वास्तविक हो या केवल राजनीतिक विवाद का हिस्सा, उसका असर आम नागरिक के मन पर पड़ता है। मतदाता के मन में यदि यह सवाल पैदा हो जाए कि उसका मत सही अर्थों में गिना भी जाएगा या नहीं, तो यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर मानी जाएगी।यह भी सच है कि चुनावी हार के बाद आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कोई नई बात नहीं है। लंबे समय से यह प्रवृत्ति देखी जाती रही है कि जब परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं आते, तो चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगते हैं। लेकिन लोकतंत्र में केवल आरोप पर्याप्त नहीं होते। यदि किसी को चुनावी अनियमितताओं पर संदेह है, तो उसके समर्थन में प्रमाण और तथ्य भी सामने आने चाहिए। बिना ठोस आधार के लगाए गए आरोप केवल राजनीतिक वातावरण को और अधिक अविश्वास से भरते हैं। दूसरी ओर, चुनाव कराने वाली संस्थाओं की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। केवल निष्पक्ष होना पर्याप्त नहीं, बल्कि जनता के सामने निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है। मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया, मतगणना और परिणामों की घोषणा तक हर स्तर पर अधिक पारदर्शिता समय की मांग है। यदि कहीं भी शंका की गुंजाइश रह जाती है, तो उसे दूर करने के लिए संस्थाओं को तत्परता से सामने आना चाहिए। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास है। यह विश्वास टूटने लगे तो चुनाव केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को सुरक्षित रखा जाए। लोकतंत्र तभी मजबूत रहेगा जब आम नागरिक को यह भरोसा होगा कि उसका मत किसी भी परिस्थिति में उसकी आवाज़ बनकर सामने आएगा। यही भरोसा लोकतंत्र की असली नींव है और इसकी रक्षा करना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

सरकार बनने के 10 दिन में ही सीएम विजय पर संकट CPI(M) ने दी समर्थन वापसी की चेतावनी

तमिलनाडु में सीएम विजय की परेशानियां बढ़ सकती हैं क्योंकि सीपीआईएम ने समर्थन वापसी की धमकी दे डाली है। राज्य में टीवीके की सरकार बने 10 दिन भी पूरे नहीं हुए और ये सियासी तूफान खड़ा हो गया है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

सीएम विजय की सरकार बने अभी 10 दिन भी पूरे नहीं बीते हैं लेकिन उनकी कुर्सी हिलने लगी है। दरअसल CPIM ने साफ कहा है कि अगर विजय की पार्टी यानी TVK ने AIADMK के किसी ग्रुप या AIADMK के साथ जाकर सरकार चलाने का फैसला किया तो हम अपने फैसले पर दोबारा से विचार अवश्य करेंगे। CPIM के राज्य सचिव पी षणमुगम ने कहा, "हमने TVK को समर्थन सिर्फ इस वजह से दिया था कि क्योंकि तमिलनाडु फिर से एक चुनाव का सामना करने को तैयार नहीं था, साथ ही हमारा मकसद पिछले दरवाजे से राष्ट्रपति शासन लगाकर तमिलनाडु पर राज करने की BJP की मंशा को पूरा नहीं होने देना था, तीसरी बात ये है कि जनादेश DMK और AIADMK के खिलाफ था इसीलिए TVK 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन उसको भी बहमुत नहीं मिल सका।" पी षणमुगम ने कहा, "सरकार बनाने का मौका सिर्फ उन्हीं के पास था, उसी आधार पर जनता की पसंद की सरकार तमिलनाडु में बननी चाहिए। इस इरादे से वामपंथी दलों और VCK ने TVK को बाहर से समर्थन देने का फैसला किया था, अगर वो AIADMK से समर्थन लेते हैं या फिर उनके नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल करते हैं तो ये जनादेश के खिलाफ होगा।" पी षणमुगम ने कहा, "साफ सुथरी अच्छी सरकार चलाने के विजय के चुनावी वादे के ये खिलाफ होगा, चूंकि जनादेश AIADMK और DMK के खिलाफ है, इसीलिए उनसे समर्थन लेकर सरकार बनाने का कोई भी प्रयास जनता के फैसले खिलाफ होगा, हमें उम्मीद है कि वे ऐसा कोई फैसला नहीं करेंगे, लेकिन अगर उन्होंने AIADMK के किसी ग्रुप या AIADMK के साथ जाकर सरकार चलाने का फैसला किया तो हम अपने फैसले पर दोबारा से विचार अवश्य करेंगे।" गौरतलब है कि TVK सरकार को बाहर से समर्थन देने वाली CPIM ने समर्थन वापस लेने की धमकी देकर CM विजय की चिंता को बढ़ा दिया है। CPIM के राज्य सचिव पी षणमुगम ने मंगलवार को कहा कि अगर मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय अपनी कैबिनेट में AIADMK के MLA को शामिल करते हैं, तो उनकी पार्टी मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली 'तमिलगा वेट्री कड़गम' सरकार को दिए गए अपने समर्थन पर पुनर्विचार करेगी। ये बयान तब आया है जब AIADMK से बागी होकर विश्वास मत के दौरान क्रॉस वोटिंग करने वाले 25 विधायकों की विजय की सरकार में शामिल होने की कोशिशें जारी हैं। 108 सीट जीतकर आने वाली TVK को कांग्रेस, वामपंथी दलों, VCK और IUML का समर्थन मिला है जिसके आधार पर TVK सरकार का गठन हुआ है। सूत्रों के मुताबिक अपनी सरकार को स्थिर और मजबूत करने के इरादे से CM जोसेफ़ विजय AIADMK के 25 बागी विधायकों के सरकार में शामिल किए जाने के ऑफर पर विचार कर रहे हैं, इन्हीं अटकलों के बीच CPIM के समर्थन वापस लेने की चेतावनी ने CM विजय की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, अगर ऐसा होता है तो कांग्रेस के 5 विधायकों को छोड़कर बाकी चार पार्टियों के 8 विधायक सरकार से समर्थन वापस ले सकते हैं, हालांकि AIADMK के बागी 25 MLA's और AMMK के एक MLA का समर्थन लेकर विजय अपनी सरकार को तो बचा लेंगे लेकिन उनके इस फैसले से जनता के बीच नेगेटिव संदेश जा सकता है, इसी वजह से TVK की कोर टीम इन हालात को संतुलित तरीके से हल करने के प्रयास में लगी हुई है।

केरलम में शपथ ग्रहण में 'वंदे मातरम' गायन पर बवाल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केरल में वीडी सतीशन के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह में 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण गाए जाने के बाद एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। वामदलों ने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए इसे भारत जैसे बहु-सांस्कृतिक और विविध समाज के लिए अनुचित बताया है। दूसरी तरफ, भाजपा ने वामदलों के इस विरोध पर तीखा पलटवार किया है। भाजपा ने वामदलों पर राष्ट्रीय गीत का अपमान करने तथा जमात-ए-इस्लामी और एसडीपीआई जैसी ताकतों को खुश करने के लिए 'तुष्टीकरण की राजनीति' करने का आरोप लगाया है। CPM मंगलवार को कहा कि राष्ट्रगीत का पूरा संस्करण प्रस्तुत करने का निर्णय कांग्रेस कार्यसमिति (CWC) के उस पुराने रुख के खिलाफ था, जिसमें 1937 में राष्ट्रगीत के कुछ हिस्सों को हटाने की सिफारिश की गई थी। पार्टियों ने 1950 में संविधान सभा में हुई चर्चाओं का भी हवाला दिया, जिसके अनुसार 'वंदे मातरम' की केवल पहली आठ पंक्तियों को ही आधिकारिक राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया गया था। अपने बयान में CPM ने तर्क दिया कि गीत के कुछ हिस्से विशिष्ट धार्मिक मान्यताओं को दर्शाते हैं, इसलिए आधिकारिक समारोहों में उन्हें शामिल करना भारत की बहु-सांस्कृतिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। पार्टी ने आरोप लगाया कि समारोह में गीत के उन हिस्सों को भी शामिल किया गया जिन्हें पहले आधिकारिक उपयोग से

बाहर रखा गया था। पार्टी ने यह भी रेखांकित किया कि भाजपा-शासित राज्यों में भी शपथ ग्रहण समारोहों के दौरान राष्ट्रगीत का पूरा संस्करण नहीं गाया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकारों को ऐसे कार्यों से बचना चाहिए जो समाज के बहु-सांस्कृतिक ताने-बाने को कमजोर करते हों या धर्मनिरपेक्षता को नुकसान पहुंचाते हों। CPM ने आगे कहा कि यह समय काफी संवेदनशील है, क्योंकि सांप्रदायिक आधार पर समाज को बांटने के प्रयास तेज हो रहे हैं। पार्टी ने सभी सरकारों से भारत के धर्मनिरपेक्ष ढांचे को बनाए रखने का आग्रह किया। CPM के बाद CPI ने भी राष्ट्रीय गीत को पूरा गाए जाने पर सवाल उठाए। CPI के बिनॉय विश्वम ने कहा, 'इतिहास पर नजर डालें तो 'वंदे मातरम' की कुछ पंक्तियों को हटाने के पीछे की वजह यह थी कि वे एक खास तरह की सोच को बढ़ावा देती थीं। वे पंक्तियां जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के दृष्टिकोण के अनुकूल नहीं थीं। कांग्रेस को भी यह बात नहीं भूलनी चाहिए।'

मायावती से मिलने पहुंचे कांग्रेस नेता, बिना मुलाकात लौट बोले- सिर्फ हालचाल जानने गए थे

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बुधवार को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कुछ नेताओं ने मायावती से मिलने का प्रयास किया, लेकिन बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख द्वारा कथित तौर पर मिलने से इनकार करने के बाद उन्हें बिना मुलाकात के ही लौटना पड़ा। कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल गौतम और सांसद तनुज पुनिया मायावती के आवास पर पहुंचे और उनसे मिलने की इच्छा व्यक्त की। खबरों के मुताबिक, सुरक्षाकर्मियों ने बसपा प्रमुख को अपना संदेश पहुंचाया, लेकिन मायावती ने मुलाकात से इनकार कर दिया। राजनीतिक हलकों में अटकलें लगाई जा रही थीं कि राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे से पहले कांग्रेस नेता मायावती से कुछ राजनीतिक मामलों पर चर्चा करना चाहते थे। हालांकि, अंततः यह मुलाकात नहीं हो सकी। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए तनुज पुनिया ने कहा कि कांग्रेस कार्यालय से निकलने के बाद वह और राजेंद्र पाल गौतम मायावती के आवास पर उनका हालचाल जानने गए थे। संदर्भ स्पष्ट करते हुए पुनिया ने कहा कि कांग्रेस के एससी विभाग की एक बैठक पार्टी कार्यालय में हुई थी, जिसमें राजेंद्र पाल गौतम और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। चर्चा के दौरान मायावती के

स्वास्थ्य का मुद्दा उठा, जिसके बाद नेताओं ने उनसे शिष्टाचार भेंट करने का निर्णय लिया क्योंकि उनका आवास कांग्रेस कार्यालय के निकट ही स्थित था। पुनिया ने बताया कि राजेंद्र पाल गौतम ने मायावती से मिलने का सुझाव दिया क्योंकि वे समाज की वरिष्ठ नेता हैं और उनकी उम्र 70 वर्ष के करीब है। कांग्रेस सांसद ने स्पष्ट किया कि कोई पूर्व नियुक्ति या फोन कॉल नहीं की गई थी और उन्होंने केवल अनौपचारिक रूप से पूछा था कि क्या वे व्यस्त न होने पर उनसे संक्षिप्त मुलाकात कर सकते हैं। पुनिया ने कहा कि हमें किसी ने नहीं भेजा था, न ही इसमें कोई राजनीतिक संदेश था। चूंकि वह दलित समुदाय की एक प्रमुख नेता हैं, इसलिए हम केवल उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने गए थे। वह व्यस्त थीं और हमें उनसे मिलने का समय नहीं मिल सका, इसलिए हम लौट आए।

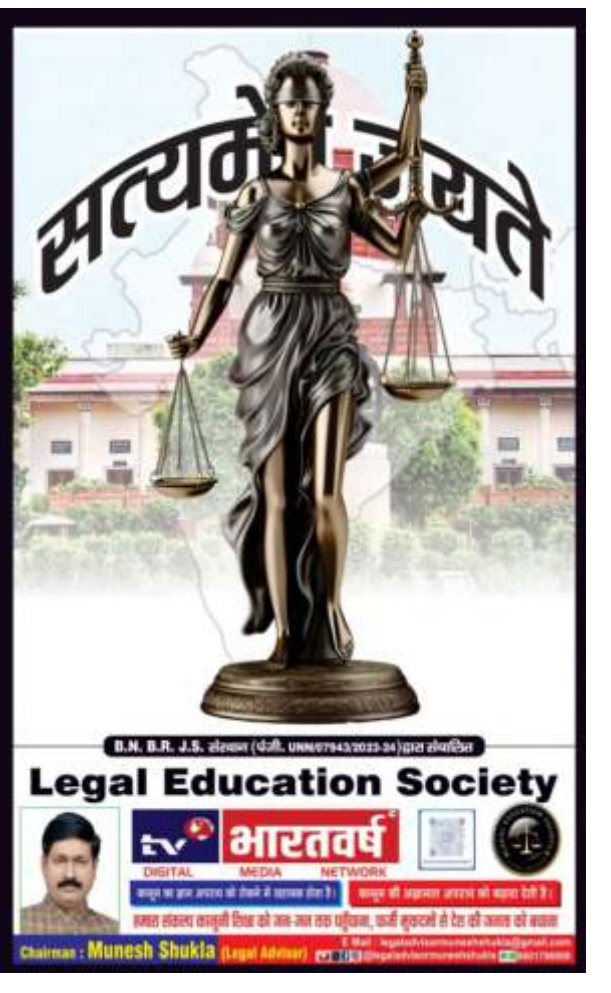

देर रात तक जागने की आदत और खराब खानपान स्वास्थ्य पर कई तरह से असर डाल सकती है

आज कल की जीवनशैली में लोगों के दिनचर्या में पहले कि अपेक्षा काफी बदलाव आया है। चाहे वो मोबाइल का अधिक इस्तमाल, रात में देर तक जागना, बाहर का खान पान, आम आदत बनती जा रही है। इस प्रकार की आधुनिक जीवन शैली से हमारे किडनी के फंक्शन पर बुरा असर पड़ रहा है, हालांकि लोग इसके संकेतों पर ध्यान नहीं दे पाते और लंबे समय तक इस प्रकार की यदि समस्या बनी रहती है तो यह गंभीर स्थिति बन सकती है। ऐसे में गोरखपुर में स्थित रीजेंसी हॉस्पिटल में नेफ्रोलॉजी और कंसल्टेंट डॉ. अर्पित श्रीवास्तव, विस्तार से इसका कारण, इस समस्या से बचाव के बारे में बता रहे हैं। देर रात तक जागना है खतरनाक

पर्याप्त नींद न लेने और लगातार लेट नाइट रुटीन रहने से शरीर का हार्मोनल संतुलन और बॉडी क्लॉक प्रभावित हो सकती है, जिससे ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और वजन पर असर पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक हाई बीपी, डायबिटीज और मोटापा रहने पर किडनी रोग का जोखिम भी बढ़ सकता है। इसलिए नियमित और पर्याप्त नींद को ओवरऑल किडनी हेल्थ के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

प्रोसेस्ड और जंक फूड बढ़ा रहे जोखिम

आजकल युवाओं में फास्ट फूड, इंस्टेंट स्नैक्स, पैकेज्ड ड्रिंक्स और ज्यादा नमक वाले खाद्य पदार्थों का सेवन तेजी से बढ़ा है। इन चीजों में सोडियम, प्रिजर्वेटिव और अनहेल्दी फैट अधिक मात्रा में होते हैं। ज्यादा नमक किडनी पर अतिरिक्त दबाव डालता है और ब्लड प्रेशर बढ़ा सकता है। इसके अलावा सॉफ्ट ड्रिंक्स और मीठे पेय पदार्थों का अधिक सेवन शरीर में शुगर और कैलोरी बढ़ाता है, जिससे मोटापा और मेटाबॉलिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं। लंबे समय तक ऐसी डाइट किडनी की फिल्टरिंग क्षमता को प्रभावित कर सकती है।

पानी कम पीना भी बड़ी वजह

डॉक्टरों के अनुसार शरीर में पानी की कमी होने पर किडनी पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है और यूरिन अधिक गाढ़ा हो सकता है, जिससे कुछ लोगों में स्टोन या यूरिन इंफेक्शन जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। गर्मियों में शरीर से पसीने के जरिए पानी ज्यादा निकलता है, इसलिए पर्याप्त हाइड्रेशन बनाए रखना जरूरी माना जाता है। हालांकि पानी की सही मात्रा हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है और यह उम्र, मौसम, शारीरिक गतिविधि व स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करती है।

लाइफस्टाइल में करें छोटे बड़े बदलाव

लाइफस्टाइल में छोटे बदलाव अपनाकर किडनी की बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। संतुलित खानपान, पर्याप्त नींद, नियमित एक्सरसाइज और पर्याप्त पानी पीने जैसी आदतें किडनी को लंबे समय तक स्वस्थ रखने में मदद कर सकती हैं। इसके अलावा जंक फूड और ज्यादा नमक वाले खाद्य पदार्थों को सीमित करना भी जरूरी है।

विशेषज्ञों पर पलटवार करते हुए सीमित रहने का आग्रह किया

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने आईपीएल के दौरान निजी तौर पर उनको निशाना बनाने वाले टीवी कमेंटेटरों और विशेषज्ञों पर पलटवार करते हुए उनसे खिलाड़ियों का सम्मान करने और क्रिकेट के बारे में बात करने तक ही सीमित रहने का आग्रह किया। रॉयल्स की मंगलवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) पर जीत के बाद पराग ने मैदान से बाहर के मुद्दों को लेकर उनकी आलोचनाओं पर निराशा व्यक्त की। इसमें ड्रेसिंग रूम में वेपिंग (ई-सिगरेट का सेवन) करते हुए पकड़े जाना भी शामिल है। पराग हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण लखनऊ के खिलाफ नहीं खेले थे। पराग ने रॉयल्स की लखनऊ के खिलाफ सात विकेट की जीत के बाद पत्रकारों से कहा, "आईपीएल में इस साल बाहर भी बहुत कुछ हो रहा है। मुझे लगता है कि पूरा देश क्रिकेट को बहुत पसंद करता है। हम खिलाड़ी जब भी मौका मिलता है अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।" उन्होंने कहा, "हम दर्शकों की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रदर्शन करते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि हम सभी को क्रिकेट से प्यार करना चाहिए और इसे एक ही नजरिए से देखना चाहिए। खिलाड़ी बहुत मेहनत कर रहे हैं। अगर कोई टीम 75 या 80 रन पर आउट हो जाती है, तो यह कहना बहुत आसान होता है कि उन्हें खेलना नहीं आता या उनके पास खेलने की मानसिकता नहीं है।" पराग ने कहा, "लेकिन उस मैच से पहले इसकी तैयारी के लिए तीन चार दिन का समय मिलता है कि हम कैसे 200 से 250 रन बना सकें। कभी-कभी ऐसा नहीं हो पाता। हम भी इंसान हैं और हमसे भी गलतियां होती हैं। इसलिए मुझे लगता है कि बाहर जो कुछ भी हो रहा है, विशेषकर कमेंटेटर जिस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं, मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वे क्रिकेट से प्यार करें। क्रिकेट की बात करें।" पराग को श्रीलंका में होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए इंडिया ए का उप-कप्तान बनाया गया है। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि यह देश क्रिकेट को चाहता है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "यह खेल देश का सबसे महत्वपूर्ण खेल है।

विराट कोहली आईपीएल के इतिहास में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी

BCCI ने डोमेस्टिक सीजन के शेड्यूल का किया ऐलान

बीसीसीआई ने घरेलू होम सीजन 2026-27 के लिए शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। इस घरेलू सीजन के दौरान मेंस और वुमेंस क्रिकेट में अलग-अलग एज ग्रुप और फॉर्मेट में कुल 1788 मैच खेले जाएंगे। इस सीजन में मेंस क्रिकेट में सीनियर, U23, U19 और U16 कैटेगरी के टूर्नामेंट होंगे। इसके साथ ही वुमेंस टीम भी U23, U19 और U15 टूर्नामेंट्स खेलेगी। आगामी घरेलू सीजन की शुरुआत 23 अगस्त 2026 से दलीप ट्रॉफी के साथ होगी। दलीप ट्रॉफी का फाइनल 10 सितंबर से होगा। दलीप ट्रॉफी में 6 जोनल टीमें हिस्सा लेंगी। इसके बाद 1 अक्टूबर से ईरानी कप खेला जाएगा। वहीं इसका फाइनल 5 अक्टूबर को होगा। रणजी ट्रॉफी और कर्नल सी.के. नायडू ट्रॉफी इस बार भी दो चरण में खेले जाएंगे। इन दोनों टूर्नामेंट के दो चरण में खेले जाने से खिलाड़ियों को आराम करने के लिए पर्याप्त समय मिल पाएगा। रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप में 32 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा, जबकि प्लेट ग्रुप में छह टीमें हिस्सा लेंगी। रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 11 अक्टूबर से 5 नवंबर तक खेला

जाएगा। इसके बाद दूसरा चरण 17 जनवरी से शुरू होगा, जबकि नॉकआउट मुकाबले 9 फरवरी से 3 मार्च तक खेले जाएंगे। रणजी ट्रॉफी के अलावा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट की शुरुआत 14 नवंबर से होगी, इस टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबले 30 नवंबर से 6 दिसंबर तक खेले जाएंगे। इसके अलावा विजय हजारे ट्रॉफी की शुरुआत 14 दिसंबर से होगी और इसके नॉकआउट मुकाबले 2 जनवरी से 8 जनवरी तक खेले जाएंगे।

हेनरिक क्लासेन और संजू सैमसन आपस में भिड़ गए

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में चेन्नई के एमए चिदंबरम (चेपॉक) स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के बीच खेले गए 63वें मैच में एक बहुत बड़ा हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला था। हमेशा शांत रहने वाले चेन्नई के विकेटकीपर संजू सैमसन और हैदराबाद के धाकड़ बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन के बीच मैदान पर तीखी बहस (लड़ाई) हो गई थी। इस घटना के बाद से ही फैंस हैरान थे कि आखिर इन दोनों के बीच ऐसा क्या हुआ था। अब इस पूरे विवाद पर संजू सैमसन और हेनरिक क्लासेन ने खुद सामने आकर चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए दिल जीतने वाली बात कही है। दरअसल, दोनों खिलाड़ियों ने अब अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक-दूसरे को गले लगाते हुए तस्वीर शेयर की है और पुरानी कड़वाहट को पूरी तरह भुला दिया है। संजू सैमसन ने फोटो शेयर

करते हुए लिखा, 'मैदान पर चीजें (लड़ाई-झगड़ा) हो जाती हैं, लेकिन खेल के बाहर इस शानदार इंसान के लिए मेरे दिल में बहुत सारा प्यार और सम्मान है।' इसके जवाब में हेनरिक क्लासेन ने भी संजू की स्टोरी को री-शेयर किया और मजे लेते हुए लिखा, 'तुम्हारे लिए बहुत प्यार और सम्मान भाई। तुम्हें खेलते हुए देखना हमेशा अच्छा लगता है। हमारे बीच सब कुछ बिल्कुल ठीक है और अब मैं हमारी अगली लड़ाई (अगले मैच) का इंतजार कर रहा हूं।'

ऋषभ पंत को उपकप्तानी से हटा दिया गया

पिछले छह महीने से खराब फॉर्म से जूझ रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी एक टेस्ट के लिये भारतीय टीम की उपकप्तानी से हटा दिया गया है और तीन मैच की वनडे श्रृंखला के लिये वह टीम में भी नहीं हैं क्योंकि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने मंगलवार को यहां कुछ कड़े फैसले किए। भारत जून में एकमात्र टेस्ट के लिए अफगानिस्तान की मेजबानी करेगा जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा नहीं है। यह टेस्ट मैच छह जून से मुल्लांपुर में खेला जाएगा जिसके बाद 14 जून से धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में तीन एकदिवसीय मैच भी खेले जाएंगे। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने यहां हुई बैठक के बाद टेस्ट टीम में बांए हाथ के स्पिनर मानव सुतार और हर्ष दुबे को शामिल करने का भी फैसला किया। इनके साथ ही छह फीट छह इंच लंबे पंजाब के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भी टीम में जगह दी गई है जिन्होंने इस सत्र में सिर्फ दो रणजी ट्रॉफी मैच खेले हैं। जैसा कि 17 मई को पीटीआई की एक खबर में बताया गया था पंत को चयनकर्ताओं ने टेस्ट उप कप्तान के पद से हटाकर उनकी जगह अनुभवी खिलाड़ी केएल राहुल

को नियुक्त किया है। पंत आईपीएल में लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए एक बल्लेबाज और कप्तान दोनों ही भूमिकाओं में लंबे समय से खराब दौर से गुजर रहे थे। वहीं एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय ईशान किशन ने राहुल के बैकअप विकेटकीपर के तौर पर पंत की जगह ली है और तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को भी टीम में जगह मिली है। कड़े फैसले करने के लिए पहचाने जाने वाले अगरकर ने साफ कर दिया कि समिति चाहती है कि पंत टेस्ट बल्लेबाज के तौर पर अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाएं जैसा कि उन्होंने पहले भी किया है, विशेषकर मुश्किल विदेशी दौरों के दौरान। अगरकर ने वर्चुअल बातचीत के दौरान पीटीआई के एक सवाल के जवाब में कहा, "ऋषभ एक जबरदस्त टेस्ट खिलाड़ी हैं। फिलहाल वह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम में नहीं हैं। हम चाहते हैं कि वह टेस्ट खिलाड़ी के तौर पर अपना सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करें। मुझे नहीं लगता कि टेस्ट टीम में उनकी जगह को लेकर कोई चिंता है।" उन्होंने कहा, "इंग्लैंड दौरे पर पंत का प्रदर्शन उन्हें चोट (पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर) लगने तक अच्छा रहा था।

इथियोपिया के टीनएजर का तहलका, इंस्टाग्राम ने खुद किया फीचर

रीसायकल फैशन किंग बना शख्स

कंपनी की सोशल मीडिया पर इन दिनों फैशन फिट चेक का ट्रेंड काफी बढ़ गया है. ऐसे में इथियोपिया के एक लड़के ने भी ऐसे वीडियो बनाना शुरू किया. देखते ही देखते उसके लाखों फॉलोअर्स बन गए और उसके एक-एक वीडियों को करोड़ों बार देखा जा रहा है.

कबाड़ को हाई फैशन डिजाइनर कॉस्ट्यूम में बदल देता है ये लड़का (Photo - Instagram)

इन दिनों इंटरनेट पर एक लड़का धूम मचा रहा है. उसके एक-एक वीडियो पर करोड़ों व्यूज आ रहे हैं. वह सिर्फ 'फैशन फिट चेक' वीडियो बनाता है.

इसमें वह बेकार चीजों को फैशनेबल आउटफीट्स के रूप डिजाइन कर देता है. कुछ ही महीनों में उसके करीबन 2 मिलियन फॉलोअर्स हो चुके हैं. अपने वीडियो से भी ज्यादा यह लड़का इस बात के लिए चर्चा में है कि खुद उसे इंस्टाग्राम ने अपने अकाउंट पर फीचर करने का मैसेज भेजा है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इथियोपिया के अदीस अबाबा का रहने वाला लड़का सोशल मीडिया पर अभी सबसे चर्चित फैशन क्रिएटर बना हुआ है. इंस्टाग्राम ने खुद इसे अपने अकाउंट पर फीचर करने के लिए मैसेज भेजा है. इंस्टाग्राम पर इसका @kaluputics नाम से अकाउंट है. यह टीनएजर फैशन क्रिएटर बेकार चीजों को हाई-फैशन रनवे लुक्स में बदल देता है. प्लास्टिक बैग, टायर और कार्डबोर्ड जैसी रोजमर्रा की चीजों को दोबारा इस्तेमाल करने लायक बनाकर यह उन्हें अनोखे और आधुनिक डिजाइन के आउटफिट्स में बदल देने की वजह से वायरल हो रहा है. उसने सिर्फ 21 वीडियो की मदद से, महज एक महीने में करीबन 19 लाख फॉलोअर्स बना लिए हैं. इनमें से कुछ वीडियो को तो करोड़ों बार देखा गया है. ⊙

फैशन क्रिएटर ने बटोरी सुर्खियां

इस शख्स के फीट चेक वीडियो की देखा-देखी अन्य लोग भी ऐसे ही वीडियो बनाते दिखाई दे रहे हैं. उसकी नकल करके बनाए गए काफी वीडियो वायरल हो रहे हैं. इन सबके बीच चर्चा बस इथियोपिया के इस फैशन क्रिएटर की हो रही है. जब से इंस्टाग्राम ने इसके वीडियो पर कमेंट किया है और सीधे मैसेज (DM) करने को कहा है. तब से इसकी और ज्यादा चर्चा हो रही है.

शख्स ने लाइन क्रॉस की तो लड़की ने सिखाया सबक

इंडियन प्रीमियर लीग के एक मुकाबले के दौरान हुई एक घटना ने सोशल मीडिया पर बड़ी बहस छेड़ दी है. CSK के एक फैन ने GT की चीयरलीडर को लेकर ऐसी टिप्पणी की, जिसे लोगों ने. हालांकि, चीयरलीडर ने जिस अंदाज़ में जवाब दिया, उसने पूरा माहौल ही बदल दिया. वीडियो में देखा जा सकता है कि फैन बैरिकेड के पास जाकर चीयरलीडर से कहता है कि तुम एंजेल जैसी लगती हो, लेकिन बिना ज्यादा मेकअप के और भी अच्छी लगोगी. ⊙

डैशकैम में कैद हुई लापरवाही

खुले मैनहोल ने ली महिला की 'परीक्षा'

पंजाब के फरीदकोट जिले के कोटकपूरा इलाके में एक महिला स्कूटी सवार का हादसा डैशकैम में कैद हो गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और खराब इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर बहस छेड़ दी है. मामले के अनुसार, महिला अपनी एक्टिवा स्कूटी पर जा रही थी, तभी अचानक स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर गई. जानकारी के मुताबिक, स्कूटी तेज रफ्तार में थी और रास्ते में सीवरेज का ढक्कन उभरा हुआ था. स्कूटी उससे

टकराई और महिला सड़क पर गिर गई. आसपास मौजूद लोगों ने उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाया. बताया जा रहा है कि इस हादसे में महिला को गंभीर चोटें आई हैं. ⊙

42 डिग्री की धूप और छोटे बच्चे का वादा

'PM बनूंगा तो स्कूल बंद कर दूंगा'

भीषण गर्मी का असर इस समय पूरे देश में देखने को मिल रहा है. कई शहरों में तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जिससे आम लोगों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है.

ऐसे मौसम में जहां बड़े लोग खुद को बचाने के लिए तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं, वहीं छोटे-छोटे बच्चे रोज स्कूल जाने को मजबूर हैं. इसी बीच सोशल मीडिया पर एक स्कूली बच्चे का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने अपनी मासूम बातों से सभी का ध्यान खींच लिया है और लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है. इस वायरल वीडियो में एक बच्चा, जो स्कूल यूनिफॉर्म में नजर आ रहा है, तेज धूप और गर्मी से

इस वीडियो ने लोगों को इंसाने के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा और स्कूल टाइमिंग को लेकर नई बहस भी छेड़ दी है. (Photo: X/@@rose_k01)

परेशान होकर अपनी बात रखता है. उसके चेहरे पर पसीना साफ दिखाई दे रहा है और आवाज में थकान भी झलक रही है. बच्चा कैमरे के सामने कहता है कि 42 डिग्री की इस चिलचिलाती धूप में बच्चे रोज स्कूल जाते हैं, जिससे उनकी तबीयत खराब हो सकती है. वह अपील करता है कि बच्चों पर थोड़ी दया की जाए और इतनी गर्मी में स्कूल जाने से राहत दी जाए.

बच्चे की बातों में न तो कोई बनावट है और न ही कोई दिखावा, बल्कि एक सच्ची परेशानी है, जिसे वह बेहद सरल शब्दों में सामने रखता है. यही वजह है कि यह वीडियो लोगों के दिल को छू रहा है. बच्चे की मासूमियत और ईमानदारी साफ दिखती है. वीडियो का सबसे दिलचस्प और थोड़ा मजेदार हिस्सा तब आता है, जब बच्चा भविष्य को लेकर अपनी योजना बताता है. वह कहता है कि जब वह बड़ा होकर प्रधानमंत्री बनेगा, तो गर्मियों में स्कूल जाना पूरी तरह बंद कर देगा. ⊙

3 जुलाई को रिलीज होगी 'प्रीतम एंड पेड्रो', साइबर थ्रिलर और कॉमेडी का मिलेगा जबरदस्त तड़का

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी अब डिजिटल दुनिया में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित स्ट्रीमिंग डेब्यू सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' का मजेदार टीज़र रिलीज़ कर दिया गया है। यह सीरीज दर्शकों को एक ऐसी अनोखी दुनिया में ले जाने का वादा करती है जहां गजब का सस्पेंस, कॉमेडी और ड्रामा एक साथ देखने को मिलेगा। इस शो का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक अविनाश अरुण ने किया है। टीजर के सामने आते ही दर्शकों के बीच इस वेब सीरीज को लेकर उत्सुकता काफी बढ़ गई है, क्योंकि इसमें राजकुमार हिरानी के सिग्नेचर स्टाइल की गर्माहट और अनूठा टोन साफ नजर आ रहा है। 'प्रीतम एंड पेड्रो' की कहानी मुख्य रूप से गोवा की खूबसूरत लेकिन उलझी हुई पृष्ठभूमि पर आधारित है। सीरीज का मुख्य प्लॉट साइबर क्राइम (साइबर अपराध) और उससे पैदा होने वाली भारी उलझन के इर्द-गिर्द घूमता है। टीज़र में एक ऐसी अजीबोगरीब स्थिति की झलक दिखाई गई है, जहां 'डेटा' का मुकाबला 'डंडे' से होता है। इस पूरी अराजकता के बीच दो ऐसे पुरुष फंस जाते हैं, जिनका आपस में कोई मेल नहीं है। स्वभाव से बिल्कुल विपरीत होने के बावजूद इन दोनों किरदारों के बीच की जुगलबंदी और मजेदार ट्यूनिंग इस सीरीज की मुख्य यूएसपी होने वाली है। इस सीरीज के जरिए राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी अभिनय की दुनिया में अपना बड़ा कदम रख रहे हैं। वह शो में 'प्रीतम' का मुख्य किरदार निभाते नजर आएंगे। वहीं, उनके विपरीत इंडस्ट्री के बेहतरीन अभिनेता अरशद वारसी 'पेड्रो' के रूप में दिखाई देंगे। इन दोनों कलाकारों के बीच का कॉमिक और एंटरटेनिंग तालमेल कमाल का लग रहा है। इनके अलावा शानदार अभिनेता विक्रांत मैसी 'मार्टिन' नाम के एक दिलचस्प किरदार में रहस्य का तड़का लगाते दिखेंगे। सीरीज में बोमन ईरानी और मोना सिंह जैसे मंझे हुए कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं, जो कहानी को कॉमेडी, पागलपन और सस्पेंस का एक बेहतरीन पैकेज बनाते हैं। रहस्य, हास्य और भूलभुलैया से भरी यह बेहद अप्रत्याशित और मनोरंजक सीरीज 3 जुलाई से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने जा रही है। दर्शक इस शानदार शो का लुत्फ विशेष रूप से जियोहॉटस्टार (JioHotstar) पर उठा सकेंगे। अगर आप भी साइबर थ्रिलर के साथ बेहतरीन कॉमेडी के शौकीन हैं, तो 'प्रीतम एंड पेड्रो' की यह मजेदार सवारी आपके लिए एक परफेक्ट वीकेंड वॉच साबित हो सकती है।

भाजपा पार्षद प्रदीप शुक्ला को सुप्रीम कोर्ट से झटका पार्षदी रद्द; सपा के ललित तिवारी का रास्ता साफ

मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव और अपर्णा यादव का रिश्ता प्रेम विवाह से लेकर सोशल मीडिया विवाद तक लगातार सुर्खियों में रहा।जनवरी में प्रतीक की तलाक संबंधी पोस्ट ने राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में काफी चर्चा बटोरी थी, हालांकि बाद में परिवार में

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ हाईकोर्ट के बाद अब सुप्रीम कोर्ट से भी भाजपा पार्षद प्रदीप कुमार शुक्ला को तगड़ा झटका लगा है। हलफनामे में गलत जानकारी देने पर उनकी पार्षदी चली गई थी। कोर्ट ने कहा था- शपथ पत्र में जरूरी कागजात नहीं देना, तथ्य छिपाना धांधली करना है। इसलिए निर्वाचन रद्द किया जाता है। कोर्ट ने चुनाव में रनरअप रहे समाजवादी पार्टी के नेता ललित तिवारी को पार्षद घोषित किया था। 12 मई को हाईकोर्ट ने ललित तिवारी को एक सप्ताह में शपथ दिलाने का आदेश दिया था। इस पर प्रदीप कुमार शुक्ला की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल कर आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसे कोर्ट ने रद्द किया है। यानी अब 12 मई के हाईकोर्ट के फैसले को मानना होगा। यानी ललित तिवारी को शपथ दिलाना पड़ेगा। मामला लखनऊ नगर निगम के वार्ड संख्या-73 फैजुल्लागंज (तृतीय) का है। दरअसल, नगरीय निकाय चुनाव-2023 के दौरान भाजपा प्रत्याशी प्रदीप कुमार शुक्ला उर्फ टिंकू शुक्ला और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ललित तिवारी के बीच सीधा मुकाबला हुआ था। मतगणना में प्रदीप कुमार शुक्ला को 4,972 और ललित तिवारी को 3,298 वोट मिले थे। इस आधार पर प्रदीप कुमार शुक्ला को निर्वाचित घोषित कर दिया गया था। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ललित तिवारी ने कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें आरोप लगाया कि भाजपा प्रत्याशी प्रदीप कुमार शुक्ला ने नामांकन पत्र दाखिल करते समय निर्वाचन प्रपत्रों में कुछ जरूरी जानकारियां नहीं दी थीं। ये जानकारियां देना कानूनन जरूरी था। याचिका में यह भी कहा गया था कि नामांकन प्रक्रिया में की गई यह चूक चुनावी नियमों का उल्लंघन है। इसे कदाचार की श्रेणी में माना जाना चाहिए। इसी आधार पर प्रदीप कुमार शुक्ला के निर्वाचन को चुनौती दी गई थी। साथ ही चुनाव परिणाम निरस्त करने की मांग की गई थी। नगर निगम पार्षदी को लेकर वार्ड-73 फैजुल्लागंज (तृतीय) में उठा विवाद 13 मई, 2023 को लखनऊ के अपर जिला जज की अदालत तक पहुंचा था। करीब ढाई साल तक चली सुनवाई के बाद अदालत ने निर्वाचन के समय दाखिल एफिडेविट, शपथ पत्र और निर्वाचन फार्म की समीक्षा रिपोर्ट के आधार पर फैसला सुनाया था। कोर्ट ने उपलब्ध दस्तावेजों, तथ्यों और दलीलें देखीं। कोर्ट ने पाया कि नामांकन के दौरान आवश्यक जानकारी न देना गंभीर अनियमितता है। इससे चुनाव की वैधता प्रभावित होती है। इसी आधार पर कोर्ट ने प्रदीप कुमार शुक्ला का निर्वाचन रद्द कर दिया था। साथ ही ललित तिवारी को वार्ड-73 से निर्वाचित घोषित कर दिया था। लखनऊ हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार एक सप्ताह भीतर ललित किशोर को शपथ नहीं दिलाई जाती तो अगली सुनवाई पर हाईकोर्ट में लखनऊ की मेयर, जिलाधिकारी और नगर आयुक्त को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होकर जवाब देना होगा। पार्षद ललित किशोर ने बताया कि निर्वाचन न्यायाधिकरण ने उन्हें 19 दिसंबर 2025 को निर्वाचित घोषित किया था, लेकिन अब तक शपथ नहीं दिलाई गई है। इस बीच पूर्व निर्वाचित सदस्य अभी भी अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

13 वर्षीय किशोरी ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के कैंट थाना क्षेत्र के नीलमथा शारदानगर इलाके में 13 वर्षीय किशोरी ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। मंगलवार शाम हुई घटना के समय किशोरी घर में अकेली थी। पिता काम से लौटे तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तो बेटी साड़ी के फंदे से लटकी मिली। नीलमथा शारदानगर निवासी धनीराम राजमिस्त्री हैं। उनकी सबसे छोटी बेटी गौरी (13) कक्षा चार की छात्रा थी और आर्य बाजार स्थित स्कूल में पढ़ती थी। परिवार में मां आशा देवी, भाई अर्जुन और दो बहनें हैं। बड़ी बहन रोशनी की शादी हो चुकी है, जबकि दूसरी बहन चांदनी घर पर रहती है। परिजनों के मुताबिक, मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे गौरी घर में अकेली थी। मां बकरी चराने गई थीं और भाई अर्जुन अपनी बुआ के यहां गया हुआ था। इसी दौरान गौरी ने कमरे में साड़ी के सहारे फांसी लगा ली। शाम को काम से लौटे पिता धनीराम ने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया तो गौरी फंदे से लटकी मिली। परिजन आनन-फानन में उसे सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची कैंट पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। मामले की जांच की जा रही है।

लेखपाल भर्ती परीक्षा 21 मई को बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा आगामी 31 मई को

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लेखपाल भर्ती की मुख्य परीक्षा 21 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक 44 जिलों के 861 केंद्रों पर होगी। इसमें कुल 3,66,712 अभ्यर्थी शामिल होंगे। लखनऊ, वाराणसी, कानपुर नगर, मेरठ, गोरखपुर, बरेली, आगरा, प्रयागराज, मुरादाबाद, गाजियाबाद, सहारनपुर, अलीगढ़ एवं झांसी में 10 हजार से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में हिस्सा करेंगे। कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार ने मंगलवार को लेखपाल भर्ती की मुख्य लिखित परीक्षा तथा उप्र संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए जिन जिलों में सर्वाधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे, वहां विशेष सतर्कता बरतें। परीक्षा ड्यूटी में लगे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण कराया जाए, ताकि किसी चूक की संभावना न रहे। कोषागार से प्रश्नपत्र एवं अन्य गोपनीय सामग्री की निकासी निर्धारित केंद्र एवं सिरीज के अनुसार करें। अभ्यर्थियों की चेकिंग एवं फ्रिस्किंग गंभीरता से हो। रेलवे स्टेशनों एवं बस अड्डों पर अभ्यर्थियों और उनके परिजनों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात करें और होल्डिंग एरिया बनाएं। सोशल मीडिया की विशेष निगरानी करें। एलआई को भी सक्रिय रखा जाए। गर्मी के दृष्टिगत परीक्षा केंद्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं पेयजल की व्यवस्था करें। नजदीकी अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखें। परीक्षा की जिला एवं राज्य स्तर के कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी की जाए। बैठक में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल, एडीजी एलओ अमिताभ यश, सचिव उच्च शिक्षा अमृत त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वहीं, बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के आयोजक बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने बताया कि इस वर्ष परीक्षा के लिए 4,44,958 आवेदन प्राप्त हुए हैं। परीक्षा आगामी 31 मई को प्रदेश के 72 जिलों के 1011 केंद्रों पर होगी। वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, कुशीनगर एवं आगरा में सर्वाधिक अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक की होगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में ABVP का हंगामा LLB परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी का आरोप

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय न्यू कैंपस में बुधवार को ABVP कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। VC ऑफिस के बाहर धरने पर बैठ गए। छात्रों ने LLB परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्र सौरभ तिवारी ने कहा- यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर चपरासी से कॉपी चेक कराते हैं। यही कारण है कि बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स फेल हुए हैं। मो.गुफरान ने कहा- 5 मई को रिजल्ट आया। पहले फेल किया। अगले दिन पोर्टल पर पास दिखने लगा। तीसरे दिन फिर से फेल कर दिया। छात्रों का आरोप है कि LLB के घोषित परिणाम में कई छात्रों के अंक गलत दर्ज किए गए हैं। कुछ छात्रों को अपेक्षा से बेहद कम अंक मिले हैं, जबकि कई परीक्षार्थियों के परिणाम को लेकर तकनीकी त्रुटियों की शिकायत सामने आई हैं। ABVP कार्यकर्ताओं ने कहा- यदि समय रहते परिणाम में सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। छात्रों की मांग है कि विश्वविद्यालय प्रशासन रिजल्ट की दोबारा जांच कराए। जिन छात्रों के साथ गड़बड़ी हुई है। उन्हें तत्काल राहत दी जाए। BA-LLB स्टूडेंट सौरभ तिवारी ने बताया- 5 मई को LLB का रिजल्ट जारी हुआ था। इस बार रिजल्ट में टीचर्स ने नंबर देने में जमकर मनमानी की। कई ऐसे टॉपर स्टूडेंट हैं जिन्हें 100 में से 8 या 9 नंबर मिले। जबकि कुछ स्टूडेंट्स को 90-95 तक नंबर भी दिए गए हैं। इंटरनल मार्क्स में भी इसी तरह खूब खेला हुआ है। मैंने 35 पेज की कॉपी लिखी और रिजल्ट में फेल कर दिया गया। यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर चपरासी से कॉपी चेक कराते हैं। यही कारण है कि बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स फेल हुए हैं। BA-LLB स्टूडेंट सौरभ तिवारी ने बताया-यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर चपरासी से कॉपी चेक कराते हैं। मो.गुफरान ने बताया- रिजल्ट आया। पहले फेल किया। अगले दिन पोर्टल पर पास दिखने लगा। तीसरे दिन फिर से फेल कर दिया आज जब विश्वविद्यालय में प्रशासनिक अफसरों से मिलने आए तो रोक दिया गया। कैंपस में भारी पुलिस बल लगा दिया है। कोई सुनवाई करने को तैयार नहीं है। बहराइच के मूल निवासी छात्र आयुष कुमार ने बताया कि न तो उनको स्कॉलरशिप मिली और न ही उनका रिजल्ट सही आया। कोई सुनवाई भी नहीं कर रहा। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से हूं। जैसे-तैसे कोर्स की फीस जुटाई है। प्रशासन का रवैया छात्रों को लेकर सही नहीं है।

बिजली कटौती के विरोध में सपा विधायक अरमान खान धरने पर बैठे

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

तालकटोरा पावर हाउस पर लगातार हो रही बिजली कटौती के विरोध में पश्चिम विधानसभा से सपा विधायक अरमान खान धरने पर बैठ गए। उन्होंने क्षेत्र में घंटों बिजली गुल रहने का आरोप लगाते हुए सरकार और बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। विधायक का कहना था कि लगातार बिजली कटौती से आम जनता को भीषण गर्मी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। अरमान खान ने बिजली व्यवस्था में जल्द सुधार और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

गंभीर आपराधिक आरोप वाले व्यक्ति को पुलिस नौकरी नहीं दी जा सकती: लखनऊ हाईकोर्ट

हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक अहम फैसले में कहा कि गंभीर अपराधों के मामलों में आरोपी व्यक्ति को पुलिस जैसे अनुशासित बल में नियुक्ति नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने कहा कि पुलिस विभाग सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और कानून-व्यवस्था से जुड़ी संवेदनशील सेवा है। न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की एकल पीठ ने यह फैसला शेखर नाम के एक अभ्यर्थी की याचिका खारिज करते हुए पारित किया। याची का तर्क था कि उसके विरुद्ध दर्ज आपराधिक मुकदमा दुर्भावना से प्रेरित है और अभी तक उसकी दोषसिद्धि नहीं हुई है, इसलिए उसे नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ दोषसिद्धि न होना किसी अभ्यर्थी को स्वतः नियुक्ति का अधिकार नहीं देता। पुलिस जैसी अनुशासित सेवा में चयन के लिए अभ्यर्थी का निष्कलंक चरित्र आवश्यक है। न्यायालय ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के विरुद्ध गंभीर प्रकृति के आपराधिक आरोप लंबित हैं तो सक्षम प्राधिकारी उसके आचरण और पृष्ठभूमि का मूल्यांकन कर उसे नियुक्ति के लिए अनुपयुक्त मान सकता है। न्यायालय ने निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि सरकारी सेवाओं, विशेषकर पुलिस बल में नियुक्ति के मामलों में चरित्र सत्यापन अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि भर्ती प्रक्रिया में राज्य को यह अधिकार है कि वह ऐसे व्यक्तियों को सेवा में प्रवेश से रोके जिनकी पृष्ठभूमि से विभाग की साख और अनुशासन प्रभावित होने की संभावना हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि पुलिस बल समाज में कानून लागू करने वाली संस्था है। ऐसे में यदि गंभीर आरोपों का सामना कर रहा व्यक्ति पुलिस सेवा में नियुक्त हो जाए, तो इससे जनता का विश्वास प्रभावित हो सकता है।

उन्नाव किसान दिवस में डीएम ने सुनी किसानों की समस्याएं

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के कृषि भवन सभागार में बुधवार को आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम में जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही गुणवत्तापूर्ण समाधान कराने के निर्देश दिए। इस दौरान विद्युत, उद्यान, मत्स्य, वन, बैंक, पशुपालन, कृषि और राजस्व विभाग से जुड़ी समस्याओं को किसानों ने प्रमुखता से उठाया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों की शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जोर दिया कि किसानों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिलना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने किसानों को आधुनिक और तकनीकी खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेती को नई सोच और तकनीक के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। किसानों को इंटीग्रेटेड और ऑर्गेनिक खेती पर जोर देना चाहिए, ताकि अच्छी पैदावार के साथ बेहतर आय भी प्राप्त हो सके। उन्होंने बताया कि जैविक खेती से मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है और बाजार में उत्पादों की मांग भी बढ़ती है। जिलाधिकारी ने किसानों से अपने खेतों की मिट्टी की जांच कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि मिट्टी परीक्षण के आधार पर खेती करने से फसल उत्पादन बेहतर होता है। उन्होंने किसानों को फसल चक्र अपनाने और कंपोस्ट खाद के प्रयोग पर भी जोर दिया। साथ ही, कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी नियमित रूप से लेने तथा फार्मर रजिस्ट्री कराने की सलाह दी। उन्होंने यह भी बताया कि उन्नाव जनपद आम उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी स्थान रखता है। ऐसे में किसानों को गुणवत्ता युक्त प्रजातियों के आम का उत्पादन करना चाहिए, जिससे जिले का नाम देशभर में रोशन हो सके और किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध हो। जिलाधिकारी ने फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम में किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याएं भी जिलाधिकारी के सामने रखीं। इनमें कृषक अनिल कुमार मिश्रा द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित निजी नलकूप ठीक कराने और नितिन कुमार द्वारा किसान पंजीकरण पोर्टल पर नाम प्रदर्शित न होने जैसी शिकायतें शामिल थीं।

डीएम घनश्याम मीना ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग बंधु की मासिक समीक्षा बैठक हुई। इसमें उद्योगों से जुड़े बिजली, पानी, सड़क मरम्मत, जल निकासी, नाला निर्माण और अतिक्रमण जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सभी मामलों में गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान, जिलाधिकारी ने कनिष्ठ आयरन प्राइवेट लिमिटेड के क्षतिग्रस्त मार्ग के चौड़ीकरण, डामरीकरण और नाले की मरम्मत से संबंधित मामले की समीक्षा की। इस प्रकरण पर अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत की अनुपस्थिति पर, जिलाधिकारी ने उनका वेतन अगले आदेश तक रोकने का निर्देश दिया। आईआईए से संबंधित नाला निर्माण के मामले में, जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। दयालखेड़ा मार्ग की मरम्मत और नाली निर्माण को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। सीएलई इकाई के प्रकरण में, कानपुर-लखनऊ हाईवे से प्रशिक्षण केंद्र तक जाने वाली सड़क के निर्माण के लिए अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। एचपी गैस प्लांट के बाहर सड़क पर गैस टैंकर खड़े होने से हो रही असुविधा पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को सड़क पर खड़े वाहनों का अधिक से अधिक चालान करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि यदि इन टैंकरों के कारण कोई असुविधा या दुर्घटना होती है, तो संबंधित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

उन्नाव में दिनदहाड़े ज्वेलर्स की दुकान में लूट, बदमाशों ने दुकानदार को पीटा

उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित भवानीखेड़ा में बुधवार दोपहर एक ज्वेलर्स की दुकान में दिनदहाड़े लूट की वारदात से हड़कंप मच गया। चार बदमाश दुकान में घुसे, दुकानदार से मारपीट की और नकदी व चांदी के आभूषण लूटकर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। दुकानदार के बेटे जय वर्मा ने बताया कि वारदात के दौरान चार बदमाश दुकान में घुसे थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इनमें से एक-दो युवक नाबालिग लग रहे थे। एक बदमाश की घनी दाढ़ी थी, जबकि दूसरे ने सिर पर अंगौछा या पगड़ी जैसा कपड़ा बांध रखा था। सभी आरोपी तीन या चार बाइकों से आए थे। परिवार के अनुसार, घटना से पहले दो युवक दुकान पर आए और आभूषणों के दाम पूछकर चले गए। करीब पांच से दस मिनट बाद चार बदमाश अचानक दुकान में घुस आए। आरोपी काउंटर फांदकर सीधे दुकानदार के पास पहुंचे और तिजोरी की चाबी मांगने लगे। उनके हाथ में बर्फ तोड़ने वाला नुकीला औजार 'सूजा' था, जिससे उन्होंने दुकानदार को धमकाया। जय वर्मा ने बताया कि उनके पिता ने तिजोरी की चाबी देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद बदमाशों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने 'सूजे' से उनके शरीर पर कई वार किए, जिससे उन्हें चोटें आईं। उनके पैर में भी खरोंच आई है। घायल दुकानदार को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। बदमाश दुकान से करीब 10 से 13 हजार रुपये नकद और काउंटर में रखे लगभग 100 से 200 ग्राम चांदी के आभूषण लूटकर फरार हो गए। वारदात के दौरान दुकान का काउंटर भी क्षतिग्रस्त हो गया। परिवार के मुताबिक पूरी घटना 10 से 15 मिनट के भीतर हुई।

उन्नाव जिला अस्पताल में अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के जिला अस्पताल में बुधवार दोपहर अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। फायर स्टेशन प्रभारी राममिलन भारती ने अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों और अन्य स्टाफ को आग लगने की स्थिति में बचाव और आग बुझाने के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान कर्मचारियों को फायर सिलेंडर के सही उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अस्पताल परिसर में आग जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना था। इसका लक्ष्य किसी भी दुर्घटना के समय तत्काल राहत और बचाव कार्य सुनिश्चित करना है। फायर स्टेशन प्रभारी राममिलन भारती ने बताया कि अस्पतालों में ऑक्सीजन सिलेंडर, विद्युत उपकरण और दवाइयों के कारण आग लगने का खतरा अधिक होता है, इसलिए सतर्कता और सही जानकारी बेहद आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान, भारती ने कर्मचारियों को आग लगने पर घबराने की बजाय सबसे पहले बिजली आपूर्ति बंद करने और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित करने की सलाह दी। उन्होंने विभिन्न प्रकार की आग और उन्हें बुझाने के अलग-अलग तरीकों के बारे में भी बताया। कर्मचारियों को यह भी समझाया गया कि आग लगने की स्थिति में मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालते समय किन सावधानियों का पालन करना चाहिए। फायर स्टेशन प्रभारी ने अस्पताल परिसर में उपलब्ध अग्निशमन यंत्रों की उपयोगिता बताई और कर्मचारियों को फायर सिलेंडर चलाने का तरीका समझाया। उन्होंने सिलेंडर का सेफ्टी लॉक खोलने, पाइप की दिशा निर्धारित करने और सुरक्षित दूरी से आग बुझाने का प्रदर्शन किया। इसके बाद अस्पताल कर्मियों और सुरक्षाकर्मियों ने स्वयं फायर सिलेंडर चलाकर अभ्यास किया। कार्यक्रम के दौरान, अस्पताल प्रशासन ने कर्मचारियों से नियमित रूप से अग्निशमन उपकरणों की जांच करने और सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की। अस्पताल कर्मियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया और कहा कि ऐसे कार्यक्रम भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना को रोकने में सहायक सिद्ध होंगे। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि आपातकालीन परिस्थितियों में सभी कर्मचारियों को बेहतर ढंग से अपनी जिम्मेदारी निभाने में सक्षम बनाने के लिए समय-समय पर ऐसे जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्नाव में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

उन्नाव के बिहार थाना क्षेत्र के हलवालपुर गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक की पहचान हलवालपुर निवासी सुनील कुमार (38) पुत्र हनुमान के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पत्नी मोनी देवी ने अपने पति की हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति से उनका पुराना विवाद चल रहा था और उसी ने सुनील की हत्या की है। पत्नी के इन आरोपों के बाद गांव में विभिन्न तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। परिजनों के अनुसार, सुनील कुमार गांव और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ई का काम करते थे। वह मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बेटी सहित दो छोटे बच्चे हैं। पिता की अचानक मौत से बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने बताया कि सुनील स्वभाव से शांत व्यक्ति थे और मेहनती थे। उनकी मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है। बिहार थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों की भी गहनता से जांच कर रही है और घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

धूप से बचने के लिए लोगों ने लिया गमछे और छांव का सहारा

उन्नाव में बुधवार को भीषण गर्मी और तेज धूप ने जनजीवन को प्रभावित किया। जिले का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह से ही आसमान से आग बरसती रही, जिसके कारण दोपहर होते-होते सड़कों पर सन्नाटा छा गया। गर्म हवाओं और तेज धूप के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बाजारों और प्रमुख चौराहों पर आम दिनों की अपेक्षा भीड़ कम दिखाई दी। आवश्यक काम से बाहर निकलने वाले लोग सिर और चेहरे को गमछे, तौलिया या दुपट्टे से ढककर निकले। कई लोग धूप से बचने के लिए पेड़ों और दुकानों की छांव का सहारा लेते दिखे। गर्मी का सबसे अधिक असर दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालकों और राहगीरों पर पड़ा। तेज धूप और लू के थपेड़ों के बीच काम करने को मजबूर इन लोगों को बार-बार पानी और छांव का सहारा लेना पड़ा। कई स्थानों पर लोग सिर पर पानी डालकर खुद को राहत देते नजर आए। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। चिकित्सकों का कहना है कि लगातार बढ़ रही गर्मी और लू के कारण हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और उल्टी-दस्त जैसी स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं। डॉक्टरों ने विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों को सतर्क रहने की सलाह दी है। चिकित्सकों के अनुसार, यदि बहुत जरूरी न हो तो दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप में निकलने से बचना चाहिए। बाहर निकलते समय सिर को ढककर रखें, पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें और हल्के सूती कपड़ों का इस्तेमाल करें। भीषण गर्मी के कारण अस्पताल में गर्मी से परेशान मरीजों की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

2027 चुनाव की तैयारी में जुटी सपा

PDA फॉर्मूले के जरिए सामाजिक समीकरण साधने पर फोकस

उत्तर प्रदेश चुनाव 2027 की तैयारी में समाजवादी पार्टी जुट गई है। पार्टी ने एक नया फॉर्मूला तैयार किया है। जानिए, बसपा की खामोशी का फायदा उठाने के लिए पार्टी का क्या प्लान है?

उत्तर प्रदेश में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी ने अभी से अपनी रणनीतिक तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी का पूरा फोकस अपने PDA यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण को मजबूत करने पर है। सपा नेतृत्व अब इस नारे को सिर्फ राजनीतिक भाषणों तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे जमीनी स्तर तक पहुंचाने की तैयारी कर रहा है। यही वजह है कि हाल ही में विधानसभा क्षेत्र स्तर पर संगठनात्मक प्रभारियों की नियुक्तियों में सामाजिक संतुलन और जातीय समीकरणों को खास महत्व दिया गया है। समाजवादी पार्टीअब अपनी पारंपरिक राजनीति से आगे बढ़कर गैर-यादव OBC और दलित समाज के प्रभावशाली चेहरों को बड़ी जिम्मेदारियां सौंप रही है। पार्टी का मानना है कि यदि हर वर्ग को संगठन और नेतृत्व में उचित प्रतिनिधित्व दिया जाए, तो उसका सीधा असर चुनावी नतीजों पर पड़ेगा। इसी फॉर्मूले के तहत कई जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे नेताओं को आगे लाया जा रहा है, जिनकी अपने समाज और क्षेत्र में मजबूत पकड़ मानी जाती है। सपा नेतृत्व यह संदेश देने की कोशिश में है कि पार्टी अब केवल एक सीमित सामाजिक दायरे की राजनीति नहीं कर रही, बल्कि हर वर्ग को साथ लेकर चलने की दिशा में काम कर रही है। ओबीसी और दलित समीकरण के साथ-साथ सपा मुस्लिम वोट बैंक को लेकर भी पूरी तरह सक्रिय नजर आ रही है। पार्टी ने कई मुस्लिम नेताओं को संगठन में अहम जिम्मेदारियां देकर उन्हें सीधे मैदान में उतारने का फैसला किया है। सपा का मानना है कि जमीनी स्तर पर सक्रिय और प्रभावशाली मुस्लिम चेहरों को आगे रखने से अल्पसंख्यक मतदाताओं के बीच पार्टी की पकड़ और मजबूत होगी। यही वजह है कि संगठनात्मक ढांचे में मुस्लिम नेताओं की भूमिका को भी लगातार बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी के लगातार कमजोर होते जनाधार को भी समाजवादी पार्टी एक बड़े राजनीतिक अवसर के रूप में देख रही है। सपा की रणनीति का सबसे अहम हिस्सा दलित मतदाताओं को अपने पक्ष में लाना है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि यदि दलित समाज को यह भरोसा दिलाया जाए कि समाजवादी पार्टी उनकी राजनीतिक आवाज को मजबूती से उठा सकती है, तो प्रदेश की राजनीति में बड़ा बदलाव संभव हो सकता है। सपा अब बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर और डॉ. राममनोहर लोहिया की विचारधाराओं को एक साथ जोड़कर नया राजनीतिक संदेश देने की कोशिश में है। पार्टी के भीतर यह चर्चा तेज है कि सामाजिक न्याय और समानता के मुद्दों को गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। समाजवादी पार्टी के बुलेटिन से मिले इनपुट के मुताबिक पार्टी का दलित विंग भी अब ज्यादा सक्रिय किया जा रहा है। इसके तहत गांवों में चौपाल, समानता संवाद और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई है। सपा संगठन अब ब्लॉक और जिला स्तर की कमेटियों में भी स्थानीय जातीय समीकरणों के आधार पर प्रतिनिधित्व तय कर रहा है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि मजबूत सोशल इंजीनियरिंग ही 2027 में सत्ताधारी दल को चुनौती देने का सबसे प्रभावी तरीका हो सकता है। इसी वजह से संगठन विस्तार से लेकर जिम्मेदारियों के बंटवारे तक हर स्तर पर सामाजिक संतुलन को प्राथमिकता दी जा रही है। पार्टी अब चुनावी रणनीति को केवल नारों तक सीमित रखने के बजाय उसे संगठनात्मक ढांचे में भी उतारने की तैयारी में जुटी हुई है।

महिला थानाध्यक्ष के छूते ही भड़कीं सांसद इकरा हसन

सपा सांसद इकरा हसन ने मंगलवार को सहारनपुर में पुलिस कार्रवाई के खिलाफ कोतवाली सदर बाजार में धरना दिया। सपा कार्यकर्ताओं को जेल भेजे जाने से नाराज सांसद ने पुलिस पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया और कहा कि जब तक सभी कार्यकर्ताओं को रिहा नहीं किया जाएगा, तब तक धरना जारी रहेगा। धरने के दौरान उनकी पुलिस अधिकारियों से तीखी नोकझोंक भी हुई। इसी बीच महिला थाना प्रभारी के छूने पर सांसद नाराज हो गईं और कहा, "हाथ मत लगाइए, इतनी हिम्मत नहीं है आपकी। कैराना सांसद इकरा हसन शामली के जसाला गांव में मोनू कश्यप की मौत के मामले में मृतक की मां को लेकर पुलिस उप महानिरीक्षक से मिलने पहुंची थीं। महिला ने अपने बेटे की मौत के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की थी। सांसद का आरोप है कि पुलिस उप महानिरीक्षक ने उनकी बात तो सुनी, लेकिन इसके बाद कुछ ऐसी बात कही जिससे पीड़िता रोते हुए कार्यालय से बाहर निकल गई। इस पर उन्होंने नाराजगी जताई। सांसद के अनुसार पुलिस ने यातायात व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में उन्हें हिरासत में लेकर महिला थाना ले जाया गया। वहां उन्हें करीब दस मिनट तक बैठाकर रखा गया और बाद में छोड़ दिया गया। कुछ देर बाद पुलिस ने सपा के पूर्व राज्यमंत्री मांगेराम कश्यप, कश्यप एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय मेहरा, प्रदेश अध्यक्ष अनुज कश्यप, शीशपाल कश्यप और सत्यपाल कश्यप समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। इसकी जानकारी मिलने पर सांसद कोतवाली सदर बाजार पहुंचीं और धरने पर बैठ गईं। धरने के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर व्योम बिंदल ने सांसद से बातचीत कर मामला शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन सांसद ने कहा कि जब तक सभी छह लोगों को रिहा नहीं किया जाता, धरना जारी रहेगा। उन्होंने अधिकारियों पर आम लोगों की शिकायतें न सुनने का आरोप लगाया और कहा कि अधिकारियों की इंसानियत मर चुकी है।

गन्ना विकास और चीनी उद्योग के भविष्य पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

गन्ना और चीनी उत्पादन के मामले में उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी राज्य है। एथेनॉल उत्पादक राज्यों में भी इसका प्रथम स्थान है। इस संदर्भ में, उत्तर प्रदेश में गन्ना विकास और चीनी उद्योग की वर्तमान स्थिति तथा भविष्य की दिशा पर गहन चिंतन करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। इसी क्रम में, गन्ना विकास और चीनी उद्योग के विभिन्न आयामों पर केंद्रित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 21 और 22 मई, 2026 को लखनऊ-कानपुर मार्ग पर स्थित 'रमाडा होटल', लखनऊ में किया जा रहा है। 'चीनी उद्योग के विकासोन्मुख भविष्य की तैयारी ' विषय पर होने वाली यह संगोष्ठी उत्तर प्रदेश की निजी चीनी मिलों के संगठन यूपी शुगर मिल्स एसोसिएशन (यू पी एस एम ए) और ग्रीनटेक, कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के पूर्व निदेशक प्रोफेसर नरेन्द्र मोहन के तकनीकी निर्देशन में होने वाली इस संगोष्ठी की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के गन्ना विकास व चीनी उद्योग विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती वीना कुमारी होंगी। साथ ही संगोष्ठी में केन्द्र सरकार के संयुक्त सचिव (शर्करा), यू पी एस एम ए के अध्यक्ष विजय बंका, पूर्व अध्यक्ष सीबी पाटोदिया, अधिशासी निदेशक डीसीएम श्रीराम आर एल टामक आदि की विशेष उपस्थिति रहेगी। उद्घाटन सत्र 21 मई की सुबह 10 बजे होगा। इस

सत्र में संगोष्ठी की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की अपर मुख्य सचिव गन्ना विकास व चीनी उद्योग श्रीमती वीना कुमारी का सम्बोधन होगा। उद्घाटन सत्र के बाद संगोष्ठी के चार सत्र होंगे जिसमें विभिन्न विषयों पर अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ, तथा विद्वान वक्ता अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। दूसरे दिन 22 मई को भी तीन सत्र होंगे। इस संगोष्ठी में इंग्लैंड में प्रकाशित शुगर इंडस्ट्री इंटरनेशनल पत्रिका के सम्पादक अरविन्द चुडासामा, जर्मनी के सुक्रोस्फेयर प्रिफेर एवं लैंजेन (आईपी) के प्रबंध निदेशक मार्क ओलिवर बर्कहार्ट, लास एंजेलिस (यू एस ए) के कार्बोसोल्यूशंस इण्टरनेशनल (एलएलसी) के इम्मुएनल एम सरीर सहित कई अन्य देशों के चीनी उद्योग व गन्ना विकास से जुडे विशेषज्ञ अपने बहुमूल्य विचार रखेंगे।

मुजफ्फरनगर में जा रही लड़की से छेड़छाड़,FIR दर्ज

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर से सनसनीखेज मामला सामना है. तितावी थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में सागर कश्यप नाम के एक बीजेपी नेता पर एक लड़की से छेड़छाड़ का आरोप लगा है. आरोप यह भी है कि सागर कश्यप ने अपने साथी विशाल के साथ मिलकर लड़की से छेड़खानी की. मामला 18 मई की रात का है, जह लड़की और उसकी मौसेरी बहन खेत में शौच के लिए गई थीं. आरोप है कि दौरान आरोपियों ने लड़की के कपड़े फाड़ने की भी कोशिश की थी लेकिन शोर शराबा होने पर युवती के परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए. यह देख आरोपी तुरंत मौके से फरार हो गए. इसके बाद पीड़ित परिवार ने थाने पहुंचकर लिखित शिकायती पत्र देते हुए आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है. बताया जा रहा है कि सागर कश्यप नाम का आरोपी बघरा ब्लॉक से मंडल उपाध्यक्ष है लेकिन इस मामले में कोई भी बीजेपी का नेता कुछ भी बोलने को तैयार नहीं. बहरहाल, पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं. सीओ फुगाना यतेंद्र नागर ने जानकारी दी है कि तितावी थाना क्षेत्र के गांव बीरबड से एक लड़री ने तहरीर दी है. 18 मई की रात लगभग 9:30 बजे जब वह उसकी मौसी की लड़की के साथ शौच के लिए खेत में जा रही थी तभी गांव के ही रहने वाले सागर और विशाल के द्वारा उसके साथ छेड़खानी करने की कोशिश की गई. इस सूचना का तत्काल संज्ञान लेते हुए थाना तितावी पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया. पीड़िता के बयान धारा 180 दर्ज कराई जा रहे हैं. पीड़िता का मेडिकल करा कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और शीघ्र ही नामजद व्यक्तियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी.